खबर संक्षेप

सांसद हिमाद्री सिंह की मौजूदगी में मनेगा 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

शहडोल। स्वास्थ्य और चेतना के महापर्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर शहडोल में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आज यानी 21 जून (रविवार) को सुबह ठीक 6 बजे से नगर के ऐतिहासिक महात्मा गांधी स्टेडियम में 12वें सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन और आयुष विभाग के तत्वावधान में होने वाले इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहडोल संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह मौजूद रहेंगी। वहीं, कार्यक्रम की विशिष्ट कमान जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी के हाथों में होगी। इस वर्ष का योग दिवस स्वस्थ आयु के लिए योग की विशेष थीम पर केंद्रित है। प्रशासन द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 6 बजे अतिथियों के आगमन और स्वागत के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों का उद्बोधन होगा। इसके तुरंत बाद स्टेडियम में लगे बड़े स्क्रीन्स पर भोपाल से मुख्यमंत्री के संदेश और कोलकाता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन का सीधा (लाइव) प्रसारण किया जाएगा। सुबह 6:30 से 7:00 बजे तक सामान्य योग प्रोटोकॉल के तहत सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा। इस महा-आयोजन को सफल बनाने के लिए आयुष विभाग, जनजातीय कार्य विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग सहित तमाम प्रशासनिक अमले ने अपनी ताकत झोंक दी है। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पत्रकारों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सहभागिता रहेगी। जिला प्रशासन ने शहडोल के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे रविवार सुबह अधिक से अधिक संख्या में गांधी स्टेडियम पहुंचकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और एक स्वस्थ, निरोगी समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी दर्ज कराएं।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर आदिवासी बच्चों को बांटी शिक्षा सामग्री

शहडोल। कांग्रेस के कद्दावर नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिवस जिला युवा कांग्रेस ने बेहद आक्रामक और जमीनी अंदाज में मनाया। वीआईपी कल्चर को दरकिनार कर युकांई सीधे आदिवासी मोहल्ले पहुंचे और वंचित समाज के बच्चों के साथ केक काटकर राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया। इस दौरान युवा कांग्रेस ने साफ संदेश दिया कि वे गरीबों और आदिवासियों के हक-अधिकारों की लड़ाई को सडक़ से संसद तक और तेज करेंगे।

पनपथा बफर रेंज में मिला मादा भालू का शव

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर रेंज से एक बार फिर वन्यप्राणी की मौत की सनसनीखेज खबर सामने आई है। बीट जगुआ में गश्त के दौरान वन कर्मियों को एक 8 से 9 वर्षीय मादा भालू का शव लावारिस हालत में पड़ा मिला। जंगल के भीतर भालू की लाश मिलने से पार्क प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना की भनक लगते ही आला अधिकारियों ने आनन-फानन में पूरे इलाके को घेरकर सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन मौके से कोई संदिग्ध सुराग हाथ नहीं लगा। वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभय सेंगर की मौजूदगी में मृत भालू का पोस्टमार्टम कराया गया और विसरा सैंपल को जांच के लिए लैब भेजा गया है। हालांकि, जिम्मेदार अधिकारियों ने प्राकृतिक मौत का घिसा-पिटा राग अलापते हुए मामले से पल्ला झाडऩे की कोशिश की है, लेकिन शिकार की आशंकाओं को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। पोस्टमार्टम के बाद शव को आग के हवाले कर दिया गया। फिलहाल, मामले की विस्तृत जांच जारी है।

खजाना लुटाने वाले आकाओं पर भी उठ रहे सवाल

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने खोला मोर्चा

डॉ. परस्ते को बचाने में जुटा कमिश्नर दफ्तर का कछुआ तंत्र!

अनूपपुर कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली

डिजिटल इंडिया में 5 दिन बाद भी 50 किमी दूर शहडोल नहीं पहुंच पाई फाइल

गंभीर आरोपों से घिरे डॉक्टर के पास कैसे है तिजोरी की चाबी

शहडोल। सरकारी सिस्टम में जब भ्रष्टाचार और लापरवाही का गैंग्रीन फैल जाए, तो उसे काटने के लिए अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली जैसे सर्जन की जरूरत होती है। जिला चिकित्सालय अनूपपुर को अपनी जागीर समझकर बैठे सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. एस.आर. परस्ते के खिलाफ कलेक्टर ने जो पर्चा फाड़ा है, उसने जिले से लेकर संभाग तक के प्रशासनिक गलियारों में हडक़ंप मचा दिया है। कलेक्टर पंचोली ने डॉ. परस्ते के कारनामों का कच्चा चि_ा खोलते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से पदमुक्त करने और दंडात्मक शासकीय कार्रवाई के लिए कमिश्नर को पत्र लिखा है, लेकिन तमाशा देखिए, अनूपपुर से शहडोल की दूरी महज 50 किलोमीटर है, लेकिन कलेक्टर साहब का यह हंटर 5 दिन बाद भी कमिश्नर दफ्तर की चौखट पार नहीं कर पाया है।

आर्थिक अपराध, जालसाजी और लापरवाह सिविल सर्जन को हटाने कमिश्नर को लिखा पत्र

जब साहब ने दिखाई असली प्रशासनिक धमक

जनता त्रस्त थी और अस्पताल का ढर्रा पूरी तरह ध्वस्त था। ऐसे में अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जनहित में जो कड़ा रुख अपनाया है, उसकी शहरभर में जमकर तारीफ हो रही है। आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाने के लिए कलेक्टर ने अस्पताल की बिस्तर क्षमता 200 से बढ़ाकर 300 करने का बीड़ा उठाया था। खुद सूबे के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ने इसके कड़े निर्देश दिए थे, लेकिन डॉ. परस्ते के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। कलेक्टर ने जब डॉक्टरों का ड्यूटी रोस्टर मांगा, तो उन्होंने ठेंगा दिखा दिया। अस्पताल में साफ-सफाई और प्रबंधन के नाम पर सिर्फ उदासीनता का खेल चल रहा था। कलेक्टर पंचोली ने साफ कर दिया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में मक्कारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इस लापरवाह अधिकारी को हटाने के लिए जो साहस दिखाया है, उसने साबित कर दिया कि जनता के हक के आगे कोई रसूखदार नहीं टिक सकता।

ईओडब्ल्यू, ईडी और कोर्ट के चक्कर...

कलेक्टर के पत्र ने डॉ. परस्ते के उन राजों से पर्दा उठाया है, जिसे सुनकर किसी के भी होश उड़ जाएं। यह कोई मामूली लापरवाही का मामला नहीं है, बल्कि यह तो घोटाला है, वर्ष 2019-20 में उपकरण और दवा खरीदी में गंभीर वित्तीय अनियमितता के चलते आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल में डॉ. परस्ते और उनके 12 करीबियों के खिलाफ धारा 420, 409, 120-बी के तहत धोखाधड़ी और जालसाजी का आपराधिक मुकदमा (प्रकरण क्रमांक. 44/2021) दर्ज है। जब ईओडब्ल्यू से मन नहीं भरा, तो इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने भी एंट्री मार दी। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत ईडी समन जारी कर डॉ. परस्ते की कुंडली खंगाल रही है। इतना ही नहीं, वर्ष 2011 में सीएमएचओ रहते हुए नियमों को ताक पर रखकर ओटी तकनीशियन और चालकों की अवैध/फर्जी भर्ती करने का आरोप भी इन पर है, जिसका मामला माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में विचाराधीन है।

डॉ. एस.आर. परस्ते
सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक

क्या कछुए की पीठ पर आ रही है फाइल

डिजिटल इंडिया और क्लिक के जमाने में एक शर्मनाक और हास्यास्पद स्थिति देखने को मिल रही है। कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर से 15 जून को ही यह डिजिटल हस्ताक्षरित पत्र जारी हो चुका है। कायदे से ईमेल के जरिए यह पत्र चंद सेकंडों में संभागायुक्त कार्यालय पहुंच जाना चाहिए था, लेकिन आज 5 दिन बीत जाने के बाद भी कमिश्नर दफ्तर में सब चंगा सी का बोर्ड लगा है। वहां किसी को भनक तक नहीं है। सवाल उठता है कि क्या कमिश्नर कार्यालय के बाबू या जिम्मेदार अधिकारी इस मेल को दबाकर बैठे हैं या फिर डॉ. परस्ते के अदृश्य आकाओं ने फाइल पर ही योग का आसन लगा लिया है ताकि कमिश्नर मैडम की नजर इस पर न पड़े।

किसने सौंप दी सरकारी तिजोरी

शहडोल संभाग में इन दिनों एक और यक्ष प्रश्न हवा में तैर रहा है कि आखिर इतने गंभीर मामलों, कोर्ट कचहरी और ईडी-ईओडब्ल्यू के चक्रव्यूह में फंसे डॉ. एस.आर. परस्ते के पास डीडीओ पॉवर (आहरण एवं संवितरण अधिकार) यानी सरकारी खजाने से पैसे निकालने का पावर कैसे बरकरार है।

यह कहता है वित्तीय नियम

वित्तीय नियमों और सामान्य प्रशासन विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि किसी शासकीय अधिकारी के खिलाफ गंभीर वित्तीय अनियमितता, ईओडब्ल्यू या लोकायुक्त में आपराधिक प्रकरण दर्ज हो या विभागीय जांच संस्थित हो, तो उसे किसी भी प्रशासनिक या वित्तीय जिम्मेदारी वाले संवेदनशील पद (विशेषकर डीडीओ पावर) पर नहीं रखा जा सकता। ऐसे अधिकारी को तत्काल प्रभाव से गैर-संवेदनशील पद पर ट्रांसफर किया जाना चाहिए ताकि वह जांच को प्रभावित न कर सके और न ही सरकारी धन का दुरुपयोग कर सके, लेकिन अनूपपुर जिला चिकित्सालय में नियम-कायदों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जिस व्यक्ति पर खजाना लूटने के आरोप हैं, उसी को तिजोरी की चाबी सौंप दी गई है। इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए कि आखिर किस मेहरबान ने नियमों के विरुद्ध जाकर इन्हें यह पावर दिया, अगर यह नियम विरुद्ध है, तो वे लोग भी बराबर के गुनहगार हैं जिन्होंने इस कथित चिकित्सक को सरकारी खजाना ठिकाने लगाने के लिए खुला छोड़ रखा है।

आकाशीय बिजली गिरने से बुआ-भतीजी की मौत, एक गंभीर!

शहडोल। मानसून की पहली बारिश शहडोल के एक आदिवासी परिवार के लिए काल बनकर बरसी है। पपौंध थाना क्षेत्र के ओदारी गांव में शनिवार को प्रकृति के इस रौद्र रूप ने एक ही झटके में हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ कर रख दिया। जंगल में वनोपज और डोरी बीनने गईं महिलाओं पर अचानक आकाशीय बिजली कहर बनकर टूट पड़ी। इस दिल दहला देने वाले हादसे में बुआ और उसकी महज 8 साल की मासूम भतीजी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला गंभीर रूप से झुलस गई है।मिली जानकारी के मुताबिक, ओदारी गांव की कुछ महिलाएं मवेशियों के चारे और दैनिक उपयोग के लिए जंगल से बेल-लताएं व वनोपज एकत्र करने गई थीं। इसी बीच मौसम ने अचानक करवट बदली। आसमान में काले बादल छाए और तेज गर्जना शुरू हो गई। महिलाएं अभी खुद को बचाने के लिए कोई सुरक्षित ठिकाना ढूंढ ही रही थीं कि अचानक कानफोड़ू आवाज के साथ आकाशीय बिजली सीधे उनके ऊपर गिर गई।

इस आकाशीय वज्रपात की चपेट में आने से इत्तोबाई 50 वर्ष, पति धरमदास सिंह गोंड और उनकी 8 वर्षीय मासूम भतीजी सफीना सिंह पिता सुखसेन सिंह गोंड ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं पास खड़ी एक अन्य महिला बिजली के झटके से बुरी तरह झुलस गई। धमाके की आवाज सुनकर जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक बुआ-भतीजी की सांसें थम चुकी थीं। ग्रामीणों ने आनन-फानन में तड़प रही घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

इस हृदयविदारक घटना के बाद ओदारी गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व अमला मौके पर पहुंचा। शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित गरीब आदिवासी परिवार को तत्काल उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता राशि देने की मांग की है।

इनका कहना है...

कुछ महिलाएं जंगल गई थी, तभी आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आई दो महिला की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल है, जिसका उपचार जारी है, मामले में मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

बृजेंद्र मिश्रा
थाना प्रभारी, पपौंध

खनिज विभाग ने 97 मामलों में ठोका 29 लाख का जुर्माना, रेत से कोयला तक जब्त

शहडोल। जिले में अवैध उत्खनन और खनिज चोरी के सिंडिकेट को नेस्तनाबूद करने के लिए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कड़ा प्रशासनिक हंटर चला दिया है। कलेक्टर के कड़े और स्पष्ट निर्देश के बाद खनिज विभाग, राजस्व, पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमों ने माफिया के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और चौतरफा घेराबंदी की है। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई से रेत और कोयला चोरों के साम्राज्य में पूरी तरह हडक़ंप मच गया है। जिला खनिज अधिकारी से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, प्रशासन की मुस्तैदी का नतीजा यह है कि अब तक अवैध रेत और कोयला उत्खनन, परिवहन व भंडारण के कुल 97 गंभीर प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं। इसमें नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले माफियाओं पर कुल 29,02,055 रुपये (करीब 29 लाख रुपये) का भारी-भरकम जुर्माना अधिरोपित कर उनके हौसले पस्त कर दिए गए हैं।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम ने केवल कागजी कार्रवाई नहीं की, बल्कि सीधे फील्ड पर उतरकर माफिया की तिजोरियों पर चोट की है। रेत तस्करी को रोकने के लिए पिछले कुछ महीनों में ताबड़तोड़ कार्रवाई कर अवैध भंडारों को पूरी तरह विनष्ट कर दिया गया। सोहागपुर के ग्राम नरवार में 28 मार्च को कार्रवाई करते हुए 30 घनमीटर अवैध रेत का विनष्टीकरण किया गया। जयसिंहनगर के ग्राम टिहकी में 12 मई को घेराबंदी कर 24 घनमीटर अवैध रेत मौके पर जब्त की गई। ब्यौहारी (मनटोला एवं भमरहा): 27 मई को दबिश देकर 200 घनमीटर रेत के अवैध स्टॉक को मिट्टी में मिला दिया गया। जैतपुर के ग्राम डोंगरीटोला में 29 मई को एक साथ चार अलग-अलग ठिकानों पर जमा की गई अवैध रेत को नष्ट किया गया। ग्राम बिरोड़ी एवं पैरीबहरा: 5 जून को संयुक्त टीम ने 105 घनमीटर अवैध रेत का नामोनिशान मिटा दिया। ब्यौहारी के ग्राम जमोड़ी एवं नौढिया में 12 जून को प्रशासन ने फिर स्ट्राइक की और 200 घनमीटर अवैध भंडारित रेत को मटियामेट कर दिया। अकेले रेत के अवैध खेल में खनिज विभाग ने 87 कड़े मामले दर्ज कर 25,89,232 रुपये का जुर्माना वसूला है।

कलेक्टर के रडार पर सिर्फ रेत चोर ही नहीं, बल्कि कोयला माफिया भी थे। कोयले के अवैध कारोबार के खिलाफ 10 बड़े मामलों में 3,12,823 रुपये का जुर्माना ठोकते हुए भारी मात्रा में गाडग़ी और कोयला जब्त किया गया है। जैतपुर के ग्राम कुम्हारी में 8 अप्रैल को अवैध उत्खनन कर रही एक जेसीबी मशीन को रंगे हाथों दबोचकर सीज किया गया। ग्राम लालपुर: 11 मई को खनिज टीम ने दबिश देकर एक और जेसीबी तथा एक ट्रैक्टर को जब्त कर जेल की राह दिखाई। ग्राम केशवाही में 9 जून को माफिया द्वारा खोदे गए चार बड़े अवैध गड्ढों को प्रशासन ने भारी मशीनों से भरवाकर उत्खनन के रास्ते हमेशा के लिए बंद कर दिए। बुढ़ार के ग्राम बटुरा में 14 जून को संयुक्त कार्रवाई में 10 टन कोयला जब्त हुआ, जिसके ठीक बाद 18 जून को सबसे बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए करीब 80 टन अवैध उत्खनित कोयला जब्त कर माफिया की कमर ही तोड़ दी गई। इस ऐतिहासिक कार्रवाई के बाद कलेक्टर डॉ. केदार सिंह और जिला खनिज अधिकारी ने साफ कर दिया है कि जिले की प्राकृतिक संपदा को लूटने की छूट किसी को नहीं दी जाएगी। प्रशासन का यह हंटर आगे और आक्रामक रूप से चलेगा।

मौत का ब्लैक स्पॉट बनीं एसईसीएल की बंद खदानें

एक की मौत, शव को गेट पर रख प्रबंधन को घेरा

शहडोल। कोयलांचल क्षेत्र में एसईसीएल प्रबंधन की घोर लापरवाही और सुरक्षा के नाम पर बरती जा रही ढिलाई एक बार फिर एक मासूम जिंदगी निगल गई। अमलाई थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोहागपुर एरिया की बंद पड़ी शारदा ओपन कास्ट माइन मौत का कुआं साबित हुई, जहां नहाने गए रवि सिंह नामक युवक की गहरे पानी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है, वहीं आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को खदान के मुख्य गेट पर रखकर एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एसईसीएल प्रबंधन केवल मुनाफाखोरी में जुटा है और स्थानीय लोगों की जान की उसे कोई परवाह नहीं है। शारदा ओसीएम खदान सालों से बंद पड़ी है, जिसमें सैकड़ों फीट गहरा पानी भरा हुआ है। नियमतः ऐसी खदानों को पूरी तरह से प्रतिबंधित और बैरिकेड कर वहां भारी सुरक्षा बल तैनात होना चाहिए, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। खदान क्षेत्र में न तो कोई पुख्ता घेराबंदी है और न ही कोई चेतावनी बोर्ड। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण यह जगह आए दिन हादसों को दावत दे रही है और कल रवि सिंह इसी लापरवाही की भेंट चढ़ गया। हादसे की खबर फैलते ही सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर जमा हो गए। बदहवास परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था, लेकिन उनके आंसू जल्द ही प्रबंधन की निकम्मेपन के खिलाफ तीखे आक्रोश में बदल गए। ग्रामीण युवक के शव को सीधे उठाकर शारदा ओसीएम के मुख्य प्रशासनिक गेट पर ले आए और वहां धरना शुरू कर दिया। आक्रोशित ग्रामीण एवं परिजनों ने कहा कि अगर एसईसीएल ने समय रहते इस मौत के गड्ढे की फेंसिंग कराई होती, तो आज हमारा बेटा जिंदा होता। प्रबंधन की लापरवाही ने रवि की जान ली है, यह केवल हादसा नहीं, बल्कि सीधे तौर पर हत्या है। प्रदर्शनकारियों ने सीधे तौर पर एसईसीएल प्रबंधन पर लापरवाही की एफआईआर दर्ज करने और पीड़ित परिवार को तत्काल भारी आर्थिक मुआवजा देने की मांग की। देखते ही देखते ओसीएम गेट के सामने का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। हंगामे की सूचना मिलते ही अमलाई थाना पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची। स्थिति बिगड़ती देख एसईसीएल के आला अधिकारी भी प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर दौड़े। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने और मामला शांत कराने की पुरजोर कोशिश की, लेकिन आक्रोशित ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। समाचार लिखे जाने तक पुलिस और प्रशासन लगातार परिजनों से वार्ता कर गतिरोध सुलझाने के प्रयास में जुटे हैं, लेकिन ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक न्याय और उचित मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक वे शव को वहां से एक इंच भी नहीं हटाएंगे। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि शहडोल जिले में एसईसीएल की बंद पड़ी खदानें आम जनता के लिए काल बन चुकी हैं। अब देखना यह है कि इस गंभीर हादसे के बाद भी प्रबंधन की नींद टूटती है या फिर किसी और घर का चिराग बुझने का इंतजार किया जाएगा।

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अमरकंटक के मैकल पार्क में आयोजित होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

अमरकंटक। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित मैकल पार्क में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग निर्धारित की गई है। कार्यक्रम के तहत प्रातः 6 बजे से 7:45 बजे तक सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक सहभागिता करेंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करते हुए कहा है कि योग स्वस्थ एवं निरोग जीवन का आधार है। योग दिवस का यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि समाज में सामूहिक सहभागिता और सकारात्मक जीवनशैली को भी प्रोत्साहित करेगा।

वन अधिकार अधिनियम के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सामुदायिक परिसंपत्तियों के संरक्षण, रख-रखाव एवं उपयोग के संबंध में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विकासखंड पाली स्थित माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पाली विकासखंड के राजस्व विभाग के पटवारी, वन विभाग के फॉरेस्ट गार्ड, ग्रामीण विकास विभाग के पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग 150 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में कन्या शिक्षा परिसर की प्राचार्य श्रीमती सरिता गुप्ता द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मास्टर ट्रेनर संजय पांडेय ने वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत व्यक्तिगत, सामुदायिक एवं सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन (सीएफआरआर) दावों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सीएफआरआर की संपूर्ण प्रक्रिया, ग्राम स्तरीय समितियों के गठन, आवश्यक प्रपत्रों तथा दावा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को विस्तारपूर्वक समझाया। प्रशिक्षण में श्रीमती पुष्पा तेकाम (ब्लॉक समन्वयक, जन अभियान परिषद पाली), श्रीमती दमयंती ठाकुर (जिला समन्वयक, पेसा), श्री ए.के. शुक्ला (प्राचार्य, कन्या शिक्षा परिसर उमरिया) एवं मास्टर ट्रेनर श्री संजय पांडेय (प्रभारी मंडल संयोजक, मानव जीवन विकास समिति कटनी) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

फांसी के फंदे पर झूल चुकी महिला को आरक्षकों ने खींच निकाला बाहर

शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र के कुदरा टोला में खाना बनाने जैसी मामूली बात पर उपजा पारिवारिक विवाद उस वक्त खौफनाक मंजर में बदल गया, जब एक महिला ने मौत को गले लगाने के लिए खुद को कमरे में कैद कर लिया, लेकिन धनपुरी पुलिस के आरक्षकों की सूझबूझ ने ऐन वक्त पर मौत के मुंह में हाथ डालकर महिला की जिंदगी को वापस खींच लिया। इस हैरतअंगेज रेस्क्यू का लाइव वीडियो सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।मिली जानकारी के अनुसार, कुदरा टोला निवासी रज्जू का अपनी पत्नी चरकी से विवाद हुआ था। गुस्से से महिला ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर फांसी लगा ली। परिजनों की चीख-पुकार के बीच सूचना मिलते ही धनपुरी थाने के आरक्षक प्रिंस अग्रवाल और कोमल लोधी मौके पर पहुंचे। स्थिति की भयावहता देख बिना समय गंवाए पुलिसकर्मियों ने दरवाजा तोड़ा और फंदे पर लटक रही महिला को तत्काल नीचे उतारा।

दो दोस्तों की दर्दनाक मौत, तीसरा वेंटिलेटर पर

मानपुर-जयसिंहनगर मार्ग पर कार व बाइक की आमने-सामने भीषण भिड़ंत

मानपुर। रफ्तार के जानलेवा शौक और बेलगाम सडक़ों ने शनिवार की सुबह दो और पिताओं के बुढ़ापे का सहारा छीन लिया। मानपुर-जयसिंहनगर मार्ग (एसएच-10) पर शनिवार सुबह एक ऐसा खौफनाक सडक़ हादसा हुआ, जिसने भी देखा उसकी रूह कांप गई। मानपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत खुटार स्थित एक निजी फार्म हाउस के पास तेज रफ्तार कार और एक बाइक में आमने-सामने की इतनी जोरदार टक्कर हुई कि बाइक के परखच्चे हवा में उड़ गए। इस एक्सीडेंट में दो सगे दोस्तों की मौके पर और अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जबकि उनका एक अन्य साथी जिंदगी और मौत के बीच मेडिकल कॉलेज में जंग लड़ रहा है। हादसे के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया है और गोवर्दे गांव के घरों में चूल्हे तक नहीं जले हैं।

घर से महज डेढ़ किलोमीटर दूर हादसा

मानपुर जनपद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोवर्दे (खैरभान टोला) के रहने वाले तीन जिगरी दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर किसी पारिवारिक रिश्तेदारी में गए हुए थे। शनिवार की सुबह तीनों युवक वापस अपने गांव लौट रहे थे। उन्हें क्या मालूम था कि मौत चंद कदमों की दूरी पर उनका रास्ता रोके खड़ी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक अपने घर से महज डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी पर ही थे कि खुटार फार्म हाउस के पास सामने से काल बनकर आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

सडक़ पर बहा खून

हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगते ही बाइक सवार तीनों युवक हवा में करीब 15 फीट ऊपर उछले और पत्थरों की तरह सडक़ पर दूर जा गिरे। बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग सहम गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सडक़ पर चारों तरफ खून ही खून बिखर गया। चीख-पुकार सुनकर दौड़े स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को फोन घुमाया और अपनी गाडिय़ों से घायलों को अस्पताल पहुंचाने की जद्दोजहद में जुट गए।

दो परिवारों के बुझाए चिराग, एक की सांसें अटकीं

इस हादसे में रामकेश केवट पिता रामभजन केवट, निवासी गोवर्दे के सिर पर इतनी गंभीर चोट आई कि उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरे गंभीर रूप से घायल युवक प्रदीप केवट मुन्ना केवट, उम्र लगभग 30 वर्ष को जब तक एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया जाता, उसकी सांसों ने रास्ते में ही साथ छोड़ दिया। डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचते ही दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल तीसरे युवक हिमांशु केवट पिता उमेश केवट, उम्र लगभग 26 वर्ष की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर कर दिया है, जहां वह जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहा है।

सडक़ों पर दौड़ते यमदूतों पर कब लगेगा लगाम

घटना की भयावहता की खबर मिलते ही मानपुर थाना पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है। शुरुआती जांच में हादसे की मुख्य वजह कार की अत्यधिक तेज रफ्तार और लापरवाही को माना जा रहा है। इस हृदयविदारक घटना के बाद गोवर्दे और आसपास के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि मानपुर-जयसिंहनगर मार्ग पर वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं है। सडक़ें डेथ जोन बन चुकी हैं और आए दिन मासूम लोग इन बेलगाम वाहनों का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं और ओवरस्पीडिंग करने वाले यमदूतों पर सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

विश्व सिकल सेल दिवस पर 530 लोगों की स्क्रीनिंग एवं जांच

उमरिया। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय उमरिया में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल की अध्यक्षता तथा सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी के निर्देशन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सिकल सेल रोग के प्रति जनजागरूकता, स्क्रीनिंग, जांच, उपचार, सिकल सेल कार्ड वितरण एवं हाइड्रॉक्सी यूरिया दवा वितरण की गतिविधियां संचालित की गईं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में एनीमिया एवं सिकल सेल की स्क्रीनिंग, जांच, उपचार प्रबंधन, काउंसलिंग तथा रोकथाम संबंधी कार्ययोजना की जानकारी दी गई। जिले में विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर लगभग 530 लोगों की स्क्रीनिंग एवं जांच की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल ने बताया कि जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में सिकल सेल की जांच एवं उपचार की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने नागरिकों से समय-समय पर जांच कराकर इस बीमारी की रोकथाम एवं उपचार का लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में आरएमओ डॉ. संदीप सिंह, सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी, विशेषज्ञ चिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ तथा वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

आज 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जैव विविधता केंद्र ताला में योग कार्यक्रम

उमरिया। राज्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के लिए जिलेवार होने वाले कार्यक्रमों के लिए मुख्य अतिथि की सूची जारी की है साथ ही प्रमुख पर्यटन स्थलो पर वृहद आयोजन करने के निर्देश जारी किए गए है। निर्देश के परिपालन में अंतर्राष्ट्रीय 12वें योग दिवस के अवसर पर विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह के मुख्य आतिथ्य में जैव विविधता केंद्र ताला में योग कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया गया है । योग दिवस का कार्यक्रम शिक्षा विभाग, आयुष विभाग एवं अन्यय विभागों के संयोजन से आयोजित किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जैव विविधता केंद्र ताला में आयोजित कार्यक्रम में प्रातः 6 बजे से पूर्व सभी प्रतिभागियो की उपस्थिति, अतिथियों का आगमन, प्रातः 6 बजे से 6.30 बजे तक अतिथियों का उदबोधन, प्रातः 6.30 बजे से कोलकाता से राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, प्रातः 6.45 बजे माननीय प्रधानमंत्री जी का उदबोधन, प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक सामान्य योग का कार्यक्रम आयोजित होगा।
जिला प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

अद्भुत और अलौकिक है मां नर्मदा उद्गम स्थल का दर्शन

अमरकंटक। विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य स्थित पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा के उद्गम स्थल का दर्शन श्रद्धालुओं के लिए एक अद्भुत और अलौकिक अनुभव होता है। यहां पहुंचते ही भक्तों को आध्यात्मिक शांति, दिव्य ऊर्जा और प्रकृति की अनुपम छटा का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। मां नर्मदा को भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक माना जाता है। मान्यता है कि मां नर्मदा स्वयं भगवान शिव की कृपा से प्रकट हुईं और उनके दर्शन मात्र से पुण्य की प्राप्ति होती है। अमरकंटक स्थित नर्मदा उद्गम कुंड वह पावन स्थल है, जहां से मां नर्मदा अपनी अविरल यात्रा प्रारंभ करती हैं। श्रद्धालु यहां पहुंचकर जल अर्पित करते हैं, दीप प्रज्ज्वलित करते हैं और मां नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। विशेष अवसरों पर उद्गम स्थल का वातावरण और भी अधिक मनमोहक हो जाता है। मंदिरों की घंटियों की मधुर ध्वनि, वैदिक मंत्रोच्चार, श्रद्धालुओं की आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य मिलकर एक ऐसा आध्यात्मिक वातावरण निर्मित करते हैं, जो हर किसी के मन को भाव-विभोर कर देता है। देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक मां नर्मदा के उद्गम स्थल का दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस करते हैं। कई श्रद्धालुओं का मानना है कि अमरकंटक में मां नर्मदा के प्रथम दर्शन जीवन में नई ऊर्जा, सकारात्मकता और आत्मिक शांति का संचार करते हैं। अमरकंटक का नर्मदा उद्गम स्थल केवल एक धार्मिक केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और प्राकृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। यहां का प्रत्येक दृश्य मां नर्मदा की महिमा और इस पवित्र भूमि की दिव्यता का एहसास कराता है।

योग मेरी पहचान बना, स्नेहा सोनी ने योग के क्षेत्र में बनाई अलग पहचान

राजनगर। आज के समय में जहाँ अधिकांश युवा अपना खाली समय मोबाइल और सोशल मीडिया पर बिताते हैं। वहीं अनूपपुर जिले की कोतमा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत रेऊदां (झिरियाटोला) की रहने वाली कुमारी स्नेहा सोनी पिता सुनील सोनी माता श्रीमती पप्पी सोनी ने योग को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाकर एक अलग पहचान बनाई है। नियमित अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ निश्चय के बल पर स्नेहा ने कम उम्र में ही योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। स्नेहा बताती हैं कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाली एक कला है। पिछले कई वर्षों से वे प्रतिदिन योगाभ्यास कर रही हैं। कठिन से कठिन आसनों का अभ्यास करते हुए उन्होंने अपने शरीर की लचीलापन, मानसिक एकाग्रता और आत्मविश्वास को मजबूत बनाया है। योग ने उन्हें न केवल शारीरिक रूप से फिट बनाया। बल्कि पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी है। योग के प्रति उनकी लगन और मेहनत का परिणाम यह रहा कि वर्ष 2026 में उन्होंने खेलो एमपी के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की योग प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने जिले और प्रदेश का नाम गौरवान्वित

किया। यह उपलाब्ध उनक लिए हा नहा। बाल्क पूर क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने के पीछे उनकी वर्षों की मेहनत, नियमित अभ्यास और परिवार का सहयोग रहा है। स्नेहा को अपनी प्रतिभा के कारण मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने का अवसर भी प्राप्त हुआ। यह पल उनके जीवन के सबसे यादगार और प्रेरणादायक क्षणों में से एक रहा। मुख्यमंत्री द्वारा मिले प्रोत्साहन ने उनके उत्साह को और बढ़ाया तथा उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। स्नेहा का सपना है कि योग को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जाए और युवा पीढ़ी स्वस्थ जीवनशैली अपनाए। वे अपने आसपास के बच्चों और युवाओं को भी योग करने के लिए प्रेरित करती हैं। उनकी उपलब्धियों को देखकर कई बच्चों ने नियमित योगाभ्यास शुरू किया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्नेहा सोनी ने संदेश दिया कि यदि योग को जीवन का हिस्सा बना लिया जाए। तो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आत्मिक रूप से मजबूत बन सकता है। आज स्नेहा सोनी क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं, और उनकी सफलता यह साबित करती है। कि मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। योग मेरे लिए केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि मेरी पहचान, मेरा आत्मविश्वास और मेरे जीवन की शक्ति है।

नियमों की अनदेखी कर बिना पार्किंग सुविधा के बैंक का हो रहा संचालन

कोतमा। करोड़ों रुपए का व्यापार करने वाले बैंक नगर में नियमों की अनदेखी कर बिना पार्किंग सुविधा के बैंक का संचालन कर रहे हैं। नगर में स्थित स्टेट बैंक, सेंट्रल बैंक, ग्रामीण बैंक मे ग्राहकों के लिए पार्किंग की उचित सुविधा नदारत है। ऐसे में ग्राहक मजबूर हैं। नगर में संचालित बैंकों में पार्किंग की व्यवस्था नहीं है बैंकों में पार्किंग ना होने के कारण उपभोक्ता सड़क पर वाहन खड़े कर देते हैं। सड़क पर वाहन खड़े कर देने के कारण आवागमन प्रभावित होता है तथा जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। नगर में संचालित बैंकों के पास अपने भवन नहीं है तथा किराए के भवन में संचालित हो रही है। किराए के भवनों में संचालित बैंकों के पास अपने उपभोक्ताओं के वाहन खड़े करने के लिए पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। नगर में संचालित सेंट्रल बैंक, स्टेट बैंक, ग्रामीण बैंकों के पास पार्किंग के नाम पे कोई जगह नहीं है उपभोक्ता अपने वाहन सड़क पर खड़े कर देते हैं। सड़क पर वाहन खड़े होने के कारण सड़क पर प्रतिदिन जाम लगता है तथा आवागवन प्रभावित होता है मजे की बात तो यह है कि पार्किंग ना होने के कारण उपभोक्ताओं को कई वर्षों से परेशानी हो

रही है इसके बाद भी बैंकों के शाखा प्रबंधक अपने उपभोक्ताओं की इस समस्या को नजर अंदाज कर रहे हैं। बैंक प्रबंधकों द्वारा ध्यान न देने के कारण बैंक को किराए पर भवन उपलब्ध कराने वाले भवन स्वामी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। जबकि बैंक को किराए से देते समय यह एग्रीमेंट किया गया था कि हम बैंक को पार्किंग की व्यवस्था देंगे लेकिन बस स्टैंड के आगे स्टेट बैंक को संचालित हुए कई वर्ष हो गए लेकिन आज तक स्टेट बैंक के पास पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। बस स्टैंड के आगे स्टेट बैंक मुख्य मार्ग में संचालित होने के कारण मॉडल रोड में बीच सड़क पर ग्राहकों के द्वारा वाहन खड़े कर दिए जाते हैं। जिससे प्रतिदिन घंटो जाम की स्थिति बन जाती है। पूर्व में नगर पालिका के द्वारा नगर में संचालित बैंकों के जिम्मेदार अधिकारियों को पार्किंग व्यवस्था बनाए जाने के संबंध में नोटिस भी जारी किया गया था लेकिन आज तक यह नोटिस तक ही सीमित होकर रह गई। नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से स्टेट बैंक, सेंट्रल बैंक, ग्रामीण बैंक के प्रबंधकों से मिलकर पार्किंग की व्यवस्था करवानी चाहिए अन्यथा नगर पालिका को कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए।

खबर संक्षेप

कल राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत बैठक

उमरिया। वित्तीय वर्ष 2025-26 राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रमुख गतिविधि (इंप्लीमेंटेशन ऑफ कोटपा 2003, इंप्लीमेंटेशन ऑफ टाफी गाइडलाइन टोबैको सेजेशन) कि बैठक कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में 22 जून 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में टी.एल. बैठक पश्चात आयोजित की गई है जिसमें जिसमें सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

पद्म पुरस्कार हेतु नामांकन आनलाइन करने के निर्देश

उमरिया। भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार वर्ष 2027 हेतु योग्य व्यक्तियों के नामांकन ऑनलाइन माध्यम से प्रेषित किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। गृह विभाग द्वारा विकसित अवाड्र्स पोर्टल पर जिला स्तर से पद्म पुरस्कारों के लिए पात्र व्यक्तियों के नामांकन निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन दर्ज किए जाने हैं। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन गृह विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागियों के नामांकन तथा आवश्यक दस्तावेज 30 जून 2026 तक अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपलोड किए जाने हैं। उन्होंने जिले के समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वे अपने विभाग से संबंधित उत्कृष्ट एवं योग्य व्यक्तियों की पहचान कर उनके नामांकन निर्धारित प्रारूप में ऑनलाइन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। समय-सीमा के पश्चात प्राप्त होने वाले प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। ऑनलाइन नामांकन दर्ज करने के लिए विभागीय अधिकारियों को पूर्व में उनके शासकीय अधिकृत ई-मेल आईडी पर यूजर नेम एवं पासवर्ड उपलब्ध कराए जा चुके हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी समस्या अथवा सहयोग की आवश्यकता होने पर संबंधित अधिकारी गृह विभाग द्वारा निर्धारित तकनीकी सहायता ई-मेल के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने सभी विभागों से समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए पात्र व्यक्तियों के नामांकन समय पर ऑनलाइन प्रेषित करने की अपेक्षा की है, ताकि जिले के उत्कृष्ट प्रतिभाओं को पद्म पुरस्कार हेतु नामांकित किया जा सके।

सोमवार बंद को लेकर टकराव तेज, चेम्बर ने स्वयंभू नेताओं को ललकारा!

उमरिया में व्यापारी गुटों में आर-पार

उमरिया। शहर के व्यापारिक जगत में इस समय अंदरूनी सियासत और वर्चस्व की जंग चरम पर है। आगामी सोमवार को बाजार बंद रखने के फरमान ने दो बड़े व्यापारी संगठनों को आमने-सामने खड़ा कर दिया है।

एक तरफ जहाँ कथित व्यापारी संगठन सोमवार को जबरन तालाबंदी कराने पर आमादा है, वहीं दूसरी तरफ उमरिया चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने इस तानाशाही के खिलाफ खुलकर बगावत का बिगुल फूंक दिया है। चेम्बर ने साफ कर दिया है कि किसी भी व्यापारी को डराकर दुकान बंद नहीं कराई जा सकती।

व्यापारियों का हित सिर्फ बहाना

चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रतन खंडेलवाल ने एक तीखा पत्र जारी करते हुए सीधे तौर पर विरोधी गुट पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर के कुछ स्वयंभू व्यापारी नेता केवल अपनी नेतागिरी चमकाने और अधिकारियों पर धौंस जमाने के लिए इस तरह के तुगलकी फरमान जारी कर रहे हैं। खंडेलवाल ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा इन तथाकथित नेताओं का मकसद व्यापारियों की भलाई नहीं, बल्कि प्रशासन पर दबाव बनाकर सप्लाई के मोटे ठेके हथियाना है।

दुकान खोलना व्यापारी का अधिकार

चेम्बर अध्यक्ष ने दोटूक शब्दों में कहा कि दुकान खोलना या बंद रखना पूरी तरह से व्यापारी की अपनी मर्जी पर निर्भर है। जबरन दुकानें बंद कराकर आम जनता को परेशान करने की साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। पिछले सोमवार को भी व्यापारियों ने इस जबरन बंद को नकारते हुए अपनी दुकानें खुली रखी थीं।

जबरदस्ती की तो होगी सीधे जेल

बढ़ते तनाव को देखते हुए चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारियों से संपर्क साधकर व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। चेम्बर ने चेतावनी दी है कि सोमवार को यदि किसी भी व्यापारी पर दुकान बंद करने का दबाव बनाया गया या डराया-धमकाया गया, तो संबंधित उपद्रवियों के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज कराकर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह होगा कि सोमवार को उमरिया का बाजार कथित बंद के डर से सहमता है या चेम्बर की हुंकार पर व्यापारी अपनी आजादी से शटर उठाते हैं।

विधायक ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ

जनपद पंचायत जयसिंहनगर में तीन दिवसीय जन कल्याण शिविर का हुआ समापन

शहडोल। प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद पंचायत जयसिंहनगर में आयोजित तीन दिवसीय जन कल्याण शिविर का समापन ब्योहारी विधायक शरद जुगलाल कोल की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता कर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्योहारी विधायक शरद जुगलाल कोल ने कहा कि ग्रामीणों के समन्वय से पौस्टिक भोजन जैसे मुनगा आदि आहारों को भी आपसी तालमेल से जन सहयोग से मध्यान भोजन का संचालन किया जाना समाज हित एवं छात्रों के जीवन मे उत्कर्ष नवाचार होगे।

जनपद पंचायत अंतर्गत सभी ग्राम पंचायत में जन कल्याण शिविरों का आयोजन कर पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य शासन की सेवाओं एवं योजनाओं को आम नागरिकों तक सरल, सहज एवं सुलभ रूप से पहुंचाना है। शिविरों के माध्यम से 111 प्रकार की विभिन्न सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिविर के दौरान एसडीएम सुश्री काजोल सिंह एवं जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी

श्रीमती शिवानी जैन द्वारा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त पात्रता पर्ची, कल्याणी पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, फौती नामांतरण, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, संबल कार्ड, आयुष्मान कार्ड तथा अनुग्रह सहायता राशि सहित विभिन्न योजनाओं के हितलाभ पात्र व्यक्तियों को वितरित किए गए।

शिविर में जानकारी दी गई कि तीन दिनों के दौरान कुल 527 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 350 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है, जबकि 171 आवेदन लंबित हैं। अधिकारियों ने बताया कि शेष आवेदनों का भी शीघ्र निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि नागरिकों को समय पर लाभ एवं राहत मिल सके। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित स्टॉल भी लगाए गए थे। विधायक शरद जुगलाल कोल एवं जयसिंहनगर एसडीएम काजोल सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन ने स्टॉलों का अवलोकन कर विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति एवं लाभार्थियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री पोषण आहार संचालित रसोईयों की प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमे प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरुस्कार लाभार्थी महिलाओ को उनके स्वादिस्ट भोजन मीनू संचालन हेतु मुख्य अतिथि एवं अधिकारियो के द्वारा मंच के माध्यम से पुरुस्कृत किया गया एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

शहडोल में महाराणा प्रताप जयंती पर उमड़ा क्षत्रिय समाज का जनसैलाब

निकली भव्य शौर्य यात्रा

शहडोल। वीर शिरोमणि हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप की जयंती पर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाण्डव नगर में आयोजित भव्य समारोह सामाजिक सुधार, उच्च शिक्षा और अभेद्य एकता का ऐतिहासिक गवाह बन गया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने दहेज प्रथा पर कड़ा प्रहार करते हुए समाज से बेटा-बेटी का भेद मिटाने की हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि दहेज जैसी कुरीतियों पर फिजूलखर्ची करने के बजाय बच्चों की उच्च शिक्षा पर निवेश करें। बेटियां पढ़-लिखकर देश का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने घोषणा की कि यदि स्थानीय नागरिक भूमि उपलब्ध कराएं, तो शहडोल में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी। साथ ही, आगामी वर्ष शहडोल में 11 जोड़ों का भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने का संकल्प भी लिया।इससे पूर्व, दोपहर 12 बजे अमरहा विद्यालय परिसर से भव्य महाराणा प्रताप शोभायात्रा का ऐतिहासिक आगाज हुआ। पारंपरिक राजपूती वेशभूषा में सजे जांबाज युवाओं और मातृशक्ति के हाथों में लहराते ध्वज, देशभक्ति की धुनें और जय भवानी, जय महाराणा के गगनभेदी जयघोषों से शहडोल का कोना-कोना गूंज उठा। नगर के प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह मंच बनाकर पुष्पवर्षा के साथ इस जनसैलाब का स्वागत किया गया। शौर्य यात्रा महाराणा प्रताप चौक पहुंची, जहां वीर शिरोमणि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विशेष पूजन-अर्चन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व सर्वोच्च न्यायालय के प्रख्यात अधिवक्ता डॉ. ए.पी. सिंह ने महाराणा प्रताप के त्याग और स्वाभिमान को याद करते हुए सामाजिक समरसता पर बल दिया। उन्होंने मां कंकाली सिद्धपीठ की महिमा का बखान करते हुए शहडोल के संस्कारों की सराहना की। पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए आश्वस्त किया कि जनहित और राष्ट्रहित के मुद्दों पर आवाज उठाने वाले पत्रकारों को यदि किसी भी प्रकार की कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ता है, तो वे न्यायालय में उनकी लड़ाई पूरी तरह नि:शुल्क लड़ेंगे। समारोह के दौरान शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से आए क्षत्रिय समाज के सैकड़ों दिग्गज पदाधिकारी, मातृशक्ति और युवा उपस्थित रहे। आयोजन के समापन पर समिति के युवा अध्यक्ष रमाकांत सिंह परमार और जिला अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह डोंगरे ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सामाजिक संगठनों और समस्त क्षेत्रवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

सीएचओ और एएनएम के बिना चल रहा आयुष्मान आरोग्य केंद्र

ब्यौहारी। विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सतखुरी में मध्य प्रदेश शासन का आयुष्मान आरोग्य केंद्र बना हुआ है लेकिन स्थानीय लोगों ने बताया कि इस आरोग्य केंद्र में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं ए एन एम नहीं जिससे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है लोगों को स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पाता इस आरोग्य केंद्र के अंतर्गत शहरगढ अंबार और बड़कीडोल चार पंचायतों का है और सिर्फ एक आशा कार्यकर्ता है जिसके भरोसे पर यह चल रहा है स्थानीय लोगों ने आरोग्य केंद्र में सी एच ओ एवं एएनएम पदस्थ करने की मांग की इसी तरह से आयुष्मान आरोग्य केंद्र चचाई में ए एन एम का पद खाली है यहां पर ए एन एम पदस्थ किए जाने की मांग ग्रामीणों द्वारा की गई है

20 वर्ष से एरियर्स की आस में टकटकी लगाए बैठे पेंशनर घटती उम्र के साथ बढ़ रही निराशा : रोहणी गर्ग

बुढ़ार। सेवानिवृत्त पेंशनरों की 20 वर्ष से एरियर्स भुगतान की एक जटिल समस्या अभी तक बनी हुई है, जो पिछले दो दशकों से नही सुलझ सकी है, जिससे पेंशनरों में निराशा देखी जा रही है।वरिष्ठ पेंशनर रोहणी प्रसाद गर्ग ने तदाशय की जानकारी देते हुये कहाकि - वर्ष 2005 एवं उससे पूर्व सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को अभी तक छठवें और सातवें वेतनमान का कुल 59 माह का एरियर्स नहीं मिल पाया है, वहीं प्रदेश के हजारों सेवानिवृत्त पेंशनर की समस्या का निदान नहीं किया जा सका है।वरिष्ठ पेंशनर श्री गर्ग ने कहाकि - पेंशनरों के गिरते स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र तथा सीमित आय के मध्य अपना जीवन बिता रहे हैं और इन वरिष्ठ बुजुर्गों की सबसे बड़ी उम्मीद अब सरकार के निर्णय पर टिकी है।

उन्होंने बताया कि - वर्ष 2006 में मध्यप्रदेश सरकार ने छठवां वेतनमान लागू किया था, जिसका भुगतान सितंबर 2008 से प्रारंभ हुआ। लेकिन उस समय सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों को 32 माह का एरियर नहीं दिया गया, और सातवें वेतनमान के अंतर्गत भी 27 माह का एरियर्स लंबित रह गया। इस प्रकार कुल 59 माह का बकाया भुगतान आज भी हजारों पेंशनरों की पहुंच से दूर है।इस संदर्भ में पेंशनर संगठनों का यह कहना है कि - इस मुद्दे को लेकर वर्षों से शासन स्तर पर मांग की जा रही है, लेकिन धारा 49(6) का हवाला देकर मामले को टाल दिया जाता रहा है, और हैरानी की बात भी है कि - मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों में एक ही राजनीतिक दल की सरकार होने के बावजूद इस समस्या का समाधान अभी तक नहीं निकला जा सका है।

श्री गर्ग ने कहाकि - पेंशनरों का दर्द केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक भी है। क्यों कि - सेवा काल में उन्होंने पूरी निष्ठा से शासन की जिम्मेदारियां निभाईं, लेकिन अब वृद्धावस्था में अपने ही अधिकार के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ रहा है और अनेकों पेंशनर गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं, तो कई आर्थिक अभावों में जीवन यापन करने को विवस हैं।

श्री गर्ग ने कहाकि - इस मामले को लेकर पेंशनर संगठन न्यायालय भी पहुंचा और न्यायालयों से उनके पक्ष में निर्णय आने के बावजूद मामला अब तक अंतिम रूप नहीं ले सका है। सरकार द्वारा उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने से एरियर भुगतान की प्रक्रिया और लंबी होती चली गई।

पेंशनरों का मानना है कि - समय के साथ उनके साथियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। ऐसे में उन्हें आशंका है कि कहीं न्याय मिलने से पहले ही कई लोग इस दुनिया को अलविदा न कह दें। यही कारण है कि वे मुख्यमंत्री से मानवीय आधार पर हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

वरिष्ठ पेंशनर श्री गर्ग ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि - पेंशनरों की शेष बची जिंदगी को सम्मान और राहत देने के लिए लंबित एरियर का भुगतान कराया जाए क्योंकि यह केवल धनराशि का विषय नहीं है, बल्कि उनके सम्मान और अधिकार का प्रश्न है जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन शासन और समाज की सेवा में समर्पित किया है।

क्रीड़ा भारती द्वारा विश्व योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास का किया गया

बुढ़ार। विश्व योग दिवस के पुनीत अवसर पर क्रीड़ा भारती बुढ़ार महाकौशल प्रांत द्वारा सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग करके स्वस्थ रहें और समाज में प्रत्येक व्यक्ति नित्य योग करें और अपने आसपास के लोगों को भी योग करने का संदेश दें, जिससे स्वस्थ्य राष्ट्र समर्थ राष्ट्र का निर्माण हो सके के पुनीत उद्देश्य से सामुहिक योगाभ्यास में उत्साही जन सम्मिलित हुये।प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाविद्यालय तिराहा बुढार स्थल पर स्वस्थ्य भारत, समर्थ भारत निर्माण के पुनीत उद्देश्य से क्रीडा भारती द्वारा क्रीडा से निर्माण चरित्र का और चरित्र से निर्माण राष्ट्र के लक्ष्य को लेकर सूर्य नमस्कार योग कार्यक्रम का यह वृहद आयोजन रहा।सामुहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रमुख गंगाराजीव पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंद्र कौर छाबड़ा, क्रीड़ा भारती के प्रांत मंत्री डॉ. राकेश त्रिपाठी, जिला मंत्री प्रमोद विश्वकर्मा, महेंद्र त्रिपाठी, सी.बी.शुक्ला, रमाकांत मिश्रा, कामता शर्मा, क्रीड़ा भारती विकासखंड बुढ़ार के अध्यक्ष प्रमोद पारस, दीपक शर्मा, मनोज शुक्ला, अर्जुन सोनी, श्रीमती मिलन मार्को सहित नगर के बालक-बालिकाओं, महिलाओं एवं पुरुषों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर - अतिथियों ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहाकि - प्रत्येक व्यक्ति जब स्वस्थ होगा तभी स्वस्थ समाज और समर्थ राष्ट्र का निर्माण होगा तथा योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचेगा।क्रीड़ा भारती के प्रांत मंत्री डॉ.राकेश त्रिपाठी ने योगाभ्यास अवसर पर कहाकि-योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

उमरिया - ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला प्रशासन व पाली पुलिस के सहयोग से युवा टीम उमरिया के द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे,पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, अधिवक्ता दिलीप विश्वकर्मा, एडवोकेट नीरज मुसाफिर राय, पत्रकार श्याम गुप्ता, शिक्षक संतोष द्विवेदी, एम.जी वर्मा,रामनरेश तिवारी की उपस्थिति में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। 02 मई से 18 जून तक चलाए गए समर कैम्प में विभिन्न गतिविधियां जैसे की ड्राइंग, पेंटिंग, जूडो कराटे, सुंदरलेखन, स्पोकन इंग्लिश, योगाभ्यास ,सूर्य नमस्कार, फुटबॉल ,क्रिकेट बैडमिंटन ,वॉलीबॉल, सांस्कृतिक नृत्य,गीत, खो खो, हस्तकला,जागरूकता रैली,रंगोली व आदि का समावेश किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रशिक्षण शिविर के 12 प्रशिक्षकों को सम्मानित कर शिविर में प्रतिभागी रहे 100 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

समापन के दौरान प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने विविध कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कैंप में सीखी गई जानकारियों को साझा किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। छात्राओं ने स्वागत गीत और करमा नृत्य की प्रस्तुति दी।

पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने कहा कि पूरी निष्ठा व लग्न से निर्धारित किया गया लक्ष्य और उस पर परिणाम की चिंता किए बिना की गई मेहनत कभी असफल नही जाती। उन्होने कहा

कि खिलाड़ी कभी भी हर नही मानता, यह खिलाड़ी की विशेषता होती है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खेलो इंडिया पहल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मध्य प्रदेश सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई विशेष अभियान और महाकुंभ चलाए जा रहे है। प्रदेश में प्रतिभाओं को निखारने और सरकारी नौकरियों में सीधा अवसर देने के लिए बड़े कदम उठाए गए हैं।

अधिवक्ता दिलीप विश्वकर्मा व एडवोकेट नीरज मुसाफिर राय ने कहा कि "छुट्टियों का सही उपयोग समर कैम्प जैसी गतिविधियों से ही होता है. यह मंच बच्चों को न केवल सीखने का अवसर देता है, बल्कि उनके भीतर छिपे टैलेंट को बाहर लाता है. पढ़ाई जरूरी है, लेकिन खेल और अन्य गतिविधियां भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं. सोशल मीडिया से दूरी बनाकर ज्ञानवर्धक चीजों पर ध्यान देना आज के समय की मांग है। कैम्प संयोजक हिमांशु तिवारी ने कहा कि उक्त ग्रीष्मकालीन शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों आगामी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। उन्होने बताया कि उक्त शिविर में अनुभवी कोच द्वारा खिलाड़ियों को क्रिकेट,फुटबॉल,खो खो व आदि खेल की बारिकियों से अवगत करवाते हुए धैर्य बनाकर खेलना सिखाया गया।कैम्प बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बेस्ट पुरस्कार से भी सम्मानित किया एवं समर कैंप में न केवल खेल अन्य सामाजिक गतिविधियों को भी संचालित की गई।

इस दौरान शशि भूषण सिंह , कैम्प संयोजक हिमांशु तिवारी, पारस गौतम,अंकुर गौतम ,क्रिकेट कोच साहिल सिद्दीकी ,नेहा सिंह,श्रीराम तिवारी,राहुल सिंह,अभिनव द्विवेदी,अतिव्य रजक,शुभम पटेल,रुद्र प्रधान,श्रद्धा सिंह,भक्ति सिंह,दीप्ती सिंह,योशोदा कोल,खुशी कोल,करन बैगा,मोहन बैगा,स्नेहा सिंह,नैंसी सिंह,मानवी सिंह,सत्यम सेन,निरंजन कुशवाहा, युवराज सिंह,आरुष वर्मा एवं सैकड़ों संख्या में खिलाड़ी एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे।

वायरल फोटो ने महाविद्यालय में मचाया तूफान

रसायन प्रयोगशाला में 'भौतिक प्रयोग' से बवाल

जिले भर में अपने कार्यगुजारी को लेकर चर्चित रहने वाले पुष्पराजगढ़ महाविद्यालय से वायरल हुई एक तस्वीर ने पूरे परिसर का माहौल गर्मा दिया है। छात्र-छात्राओं का आरोप है कि रसायन विज्ञान प्रयोगशाला से जुड़ी तस्वीर ने शिक्षक और छात्र के पवित्र रिश्ते पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दूसरे दिन सैकड़ों छात्र महाविद्यालय के सामने एकत्र हुए और आरोप लगाते हुए डॉ. धर्मेंद्र सतनामी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए तत्काल निलंबन की मांग की है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन और चक्का जाम किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

हरिभूमि
गुरु शिक्षा के रिश्ते को तार-तार करती वायरल फोटो
मामला पुष्पराजगढ़ महाविद्यालय का, इसे शोषण कहें या संरक्षण?

अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ मुख्यालय में स्थित शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले महाविद्यालय में इन दिनों पढ़ाई से ज्यादा एक वायरल तस्वीर की चर्चा पूरे शिक्षा जगत को शर्मशार कर रही है। वायरल तस्वीर को लेकर छात्र-छात्राओं के बीच गुस्सा और अविश्वास का माहौल दिखाई दे रहा है। प्रदर्शनकारी छात्रों का दावा है कि वायरल फोटो महाविद्यालय की रसायन विज्ञान प्रयोगशाला की है, जहां प्रवेश और नियंत्रण आरोपी शिक्षक के पास रहता है। छात्रों का आरोप है कि यह घटना केवल एक तस्वीर तक सीमित नहीं है, बल्कि लंबे समय से चले आ रहे कथित विवादों की कड़ी है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने आरोप लगाया कि पूर्व में भी संबंधित शिक्षक पर छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार, धमकी और प्रताड़ना जैसी शिकायतें सामने आती रही हैं। अब वायरल फोटो के सामने आने के बाद छात्रों का सब्र जवाब देता नजर आ रहा है। इस पूरे मामले ने महाविद्यालय प्रशासन, उच्च शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की भूमिका पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। फिलहाल परिसर में एक ही सवाल गूंज रहा है कि क्या अब आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी या मामला फिर फाइलों में दब जाएगा?

वायरल तस्वीर ने परिसर में मचाई हलचल

एक वायरल तस्वीर ने पूरे पुष्पराजगढ़ महाविद्यालय का माहौल बदल दिया है। छात्रों का दावा है कि वायरल फोटो रसायन विज्ञान प्रयोगशाला की है और इसमें दिखाई दे रहे दृश्य कई सवाल खड़े करते हैं। सोशल मीडिया और छात्र समूहों में यह तस्वीर चर्चा का विषय बनी हुई है। आरोपों और दावों के बीच छात्रों की मांग है कि तस्वीर की तकनीकी और प्रशासनिक जांच कराई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। तस्वीर ने महाविद्यालय की प्रतिष्ठा और सुरक्षा व्यवस्था दोनों को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

नारेबाजी के बीच गूंजा निलंबन का स्वर

वायरल फोटो होने के दूसरे दिन छात्रों का गुस्सा महाविद्यालय पर दिखाई दिया है। महाविद्यालय के सामने एकत्रित छात्र-छात्राओं ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए तत्काल निलंबन की मांग उठाई है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जांच प्रभावित न हो, इसलिए पहले शिक्षक को पद से अलग किया जाना चाहिए। छात्रों का आरोप है कि यदि समय रहते कार्यवाही नहीं हुई तो इससे गलत संदेश जाएगा। परिसर में आंदोलन का स्वर अब और तेज होता दिखाई दे रहा है।

पुराने आरोपों की फाइलें फिर खुलीं

वायरल तस्वीर के बाद छात्रों ने पुराने विवादों को भी सामने लाना शुरू कर दिया है। प्रदर्शन के दौरान कई छात्रों और छात्राओं ने आरोप लगाया कि संबंधित शिक्षक के खिलाफ पहले भी शिकायतें की गई थीं। इनमें छात्रों को फेल करने की धमकी, अनुचित व्यवहार और छात्राओं से जुड़े गंभीर आरोप शामिल रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन छात्रों का कहना है कि यदि पहले शिकायतों पर गंभीरता दिखाई जाती तो आज स्थिति यहां तक नहीं पहुंचती, छात्र अब सवाल कर रहे है कि आखिरकार आरोपी शिक्षक को किसका संरक्षण प्राप्त है और जल्द ही इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

शिक्षा का मंदिर या अविश्वास का केंद्र?

महाविद्यालय वह स्थान होता है जहां विद्यार्थी अपने भविष्य का निर्माण करते हैं। लेकिन जब शिक्षक और छात्र के संबंधों पर सवाल उठने लगें तो पूरा शैक्षणिक वातावरण प्रभावित होता है। छात्रों का कहना है कि इस घटना ने उनके विश्वास को झकझोर दिया है। अब यह मामला केवल एक शिक्षक तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि महाविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था और जवाबदेही की परीक्षा बन गया है। छात्र चाहते हैं कि दोषी कोई भी हो, सच्चाई सामने आए और उचित कार्यवाही सभी के सामने हो जिससे छात्र छात्राओं सहित उनके अभिभावक पर संस्था के प्रति सुरक्षा विश्वास कायम रह सकें।

कार्यवाही नहीं तो हड़ताल और चक्का जाम

प्रदर्शनकारी छात्रों ने प्रशासन को स्पष्ट अल्टीमेटम दिया है। उनका कहना है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पक्ष जांच और कठोर कार्यवाही सुनिश्चित नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। छात्रों ने हड़ताल, महाविद्यालय घेराव और चक्का जाम जैसी चेतावनियां दी हैं। इससे प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि उच्च शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और क्या छात्रों को उनके सवालों का जवाब सही समय में मिल पाता है या नहीं?

इनका कहना है

इस मामले की जांच की जा रही है यदि यह कृत जैसा दिख रहा है वैसा ही है तो बेहद शर्मनाक है छात्रों ने भी तीन दिवस में महाविद्यालय प्रबंधन का मत स्पष्ट करने का आवेदन दिया हुआ है जिस पर कार्यवाही की जा रही है।
डॉ. आरके मरावी, प्रभारी प्राचार्य
शा. महाविद्यालय पुष्पराजगढ़

इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के बाद लापता नाबालिग बालिका जबलपुर से सुरक्षित दस्तयाब

बिजुरी पुलिस की कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक गुमशुदा नाबालिग बालिका को सुरक्षित दस्तयाब कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया है। थाना बिजुरी में फरियादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री 12 मई की रात को बिना बताए कहीं चली गई है, जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने तत्काल अपराध क्र. 210/2026, धारा 137(2) बीएनएस (ठछै) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। नाबालिग की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक के आदेश पर विशेष टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि पीड़िता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती के कारण उक्त आरोपी के बहकावे में आकर उसके साथ गई थी। सायबर सेल की मदद से तकनीकी साक्ष्यों एवं मोबाइल टावर लोकेशन का गहन विश्लेषण कर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बेलखेड़ा, जबलपुर से नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया। मौके से आरोपी प्रदीप महरा (निवासी दमोह) को हिरासत में लेकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आवश्यक औपचारिकताओं के बाद बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों को सौंप दिया गया, जिन्होंने पुलिस की तत्परता पर आभार व्यक्त किया। इस घटना के परिप्रेक्ष्य में अनूपपुर पुलिस ने आम जनता और अभिभावकों से विशेष अपील की है कि वे अपने बच्चों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स (जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि) की गतिविधियों पर निरंतर नजर रखें। सोशल मीडिया पर अपरिचित लोगों से दोस्ती या असावधानी के कारण बच्चे बहकावे में आ सकते हैं, जिससे उनके साथ गंभीर अपराध घटित होने की संभावना बनी रहती है। बच्चों को जागरूक करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक विकास सिंह (थाना प्रभारी बिजुरी), सउनि प्रदीप अग्निहोत्री, आरक्षक मनोज उपाध्याय, महिला आरक्षक संगम तोमर तथा सायबर सेल से प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार एवं आरक्षक पंकज मिश्रा की उल्लेखनीय व सराहनीय भूमिका रही।

राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े लोगों की संपत्तियों की हो निष्पक्ष जांच-श्रीधर शर्मा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव श्रीधर शर्मा ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कुछ व्यक्तियों की संपत्तियों को लेकर सोशल मीडिया पर उठ रहे सवालों के बीच निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि आस्था से जुड़े किसी भी संस्थान पर यदि वित्तीय अनियमितताओं या संपत्ति में असामान्य वृद्धि के आरोप लगते हैं, तो उनकी स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए, ताकि सत्य जनता के सामने आ सके।

श्रीधर शर्मा ने कहा कि लगभग पांच वर्ष पूर्व भी उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय से जुड़े कुछ मामलों पर सवाल उठाए थे, लेकिन उन पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। उनका आरोप है कि समय रहते तथ्यों की जांच की जाती तो आज इस प्रकार के विवाद और चर्चाएं सामने नहीं आतीं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दावों में ट्रस्ट से जुड़े एक व्यक्ति और उनके परिजनों अथवा सहयोगियों की संपत्तियों में कथित रूप से हुई वृद्धि का उल्लेख किया जा रहा है। इन दावों की सत्यता की पुष्टि करना संबंधित जांच एजेंसियों का दायित्व है। श्री शर्मा का कहना है कि केवल आरोप लगाने वालों से सबूत मांगने के बजाय सक्षम एजेंसियों को स्वयं दस्तावेजों और वित्तीय अभिलेखों की जांच करनी चाहिए। श्री शर्मा ने मांग की कि यदि किसी व्यक्ति की आय और संपत्ति को लेकर सार्वजनिक स्तर पर प्रश्न उठ रहे हैं, तो ट्रस्ट से जुड़े सभी संबंधित व्यक्तियों की संपत्तियों और आय के स्रोतों की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि इससे न केवल तथ्यों का पता चलेगा, बल्कि धार्मिक संस्थाओं के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत होगा। इस बीच ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी राम मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर पूर्व में अपनी आपत्तियां सार्वजनिक रूप से व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्थानों में पारदर्शिता और संत समाज की भागीदारी सुनिश्चित होना आवश्यक है। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे विभिन्न दावों की अभी तक किसी सक्षम जांच एजेंसी द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। न ही संबंधित पक्षों की ओर से इन आरोपों पर कोई विस्तृत सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने आई है। ऐसे में मामले की वास्तविक स्थिति केवल निष्पक्ष जांच और आधिकारिक तथ्यों के सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। श्रीधर शर्मा ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि धर्म और आस्था से जुड़े संस्थानों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। उन्होंने मांग की कि मामले की व्यापक जांच कर सच्चाई जनता के सामने लाई जाए, जिससे किसी भी प्रकार की आशंका या भ्रम की स्थिति समाप्त हो सके।

निर्देशों की अनदेखी कर किए गए स्थानांतरण आदेश निरस्त करने की मांग

जनगणना ड्यूटी में लगे शिक्षकों के तबादले पर भगवा पार्टी ने उठाए सवाल

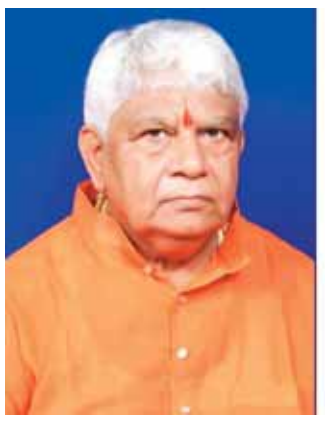

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय गण वार्ता के जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल मिश्र ने आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा जारी हालिया शिक्षक स्थानांतरण आदेशों पर गंभीर आपत्ति जताते हुए कहा है कि यदि जनगणना-2027 के कार्य में संलग्न शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया है, तो यह शासन एवं भारत सरकार के स्पष्ट निर्देशों के विपरीत है। प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए श्री मिश्र ने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं कि जनगणना कार्य में नियुक्त प्रगणक, पर्यवेक्षक एवं अन्य कर्मचारियों का स्थानांतरण जनगणना कार्य पूर्ण होने तक नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद आदिम जाति कल्याण विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती सरिता नायक द्वारा जारी स्थानांतरण सूची में ऐसे कर्मचारियों के नाम शामिल होने की जानकारी सामने आ रही है, जिनकी ड्यूटी जनगणना कार्य में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि अनूपपुर संकुल के निकोडम खलखो, उमाशंकर पटेल एवं संपत मिश्रा तथा चचाई संकुल के बृजेंद्र सोनी सहित अन्य कर्मचारियों के संबंध में यह चर्चा है कि वे जनगणना कार्य से जुड़े हुए हैं। यदि अभिलेखों में उनकी नियुक्ति जनगणना कार्य हेतु दर्ज है, तो उनका स्थानांतरण शासन के आदेशों की भावना के विपरीत माना जाएगा। कन्हैयालाल मिश्र ने कहा कि जनगणना देश का अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसकी सफलता कर्मचारियों की निरंतर उपलब्धता और क्षेत्रीय अनुभव पर निर्भर करती है। ऐसे में जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों का स्थानांतरण न केवल शासन के निर्देशों का उल्लंघन है, बल्कि इससे जनगणना कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं राज्य शासन से मांग की है कि संबंधित स्थानांतरण आदेशों की तत्काल समीक्षा कराई जाए तथा जिन कर्मचारियों की जनगणना में ड्यूटी लगी हुई है, उन्हें स्थानांतरण से छूट प्रदान की जाए। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर यह भी स्पष्ट किया जाए कि शासन के निर्देशों के बावजूद ऐसे आदेश किन परिस्थितियों में जारी किए गए। भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष ने कहा कि यदि किसी कर्मचारी के साथ अन्याय हुआ है, तो उसे न्याय मिलना चाहिए। शासन द्वारा स्वयं जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित कर्मचारियों को राहत प्रदान करेगा तथा भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।ष्जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में लगे कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना और शासन के आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करना प्रशासन का दायित्व है। यदि कहीं त्रुटि हुई है तो उसका तत्काल निराकरण किया जाना चाहिए।

विश्व सिकल सेल दिवस पर जिलेभर में 2,225 लोगों की जांच, 134 मरीजों का उपचार

जिला चिकित्सालय और पुष्पराजगढ़ में विशेष शिविर, नर्सिंग छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता, जांच एवं उपचार कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में चलाए गए विशेष जांच अभियान के तहत जिलेभर में कुल 2,225 हितग्राहियों की सिकल सेल जांच की गई। वहीं जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुष्पराजगढ़ में आयोजित विशेष शिविरों में 134 सिकल सेल मरीजों की जांच एवं उपचार कर उन्हें आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य सिकल सेल रोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच को प्रोत्साहित करना तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा। जिला चिकित्सालय के स्व-सहायता भवन में आयोजित

विशेष जागरूकता, जांच एवं पेशेंट सपोर्ट ग्रुप मीटिंग कार्यक्रम में 0 से 40 वर्ष आयु वर्ग के व्यक्तियों की जांच की गई। इस दौरान गर्भवती महिलाओं, बच्चों, मरीजों एवं उनके परिजनों को सिकल सेल रोग के लक्षण, बचाव एवं उपचार के संबंध में जानकारी दी गई। सिकल सेल कार्यक्रम के सह-नोडल अधिकारी डॉ. शिवेंद्र कुमार द्विवेदी ने सिकल सेल जांच की आवश्यकता, समय पर उपचार एवं परिवार की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. एन.पी. मांझी ने गर्भावस्था के दौरान सिकल सेल एनीमिया के प्रभाव एवं आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। जिला चिकित्सालय में आयोजित शिविर में 92 सिकल सेल मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया।

सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने जिलेभर में आयोजित हुए विशेष कार्यक्रम

12 वर्ष तक के पात्र बच्चों को पीसीवी-13 एवं पीपीवी-23 टीके लगाए गए। सभी मरीजों को एक माह के लिए हाइड्रोक्सी यूरिया एवं फोलिक एसिड की दवाइयां प्रदान की गईं तथा सीबीसी जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुष्पराजगढ़ में आयोजित पेशेंट सपोर्ट ग्रुप मीटिंग में 142 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। यहां 42 सिकल सेल मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया तथा उन्हें हाइड्रोक्सी यूरिया, फोलिक एसिड एवं आयुष विभाग द्वारा प्रदत्त दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। साथ ही मरीजों एवं परिजनों को विभिन्न शासकीय सुविधाओं एवं विकलांगता प्रमाण-पत्र संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई। विश्व सिकल सेल दिवस की थीम ष्जीवन रक्षा के अंतर को समाप्त करना, सिकल सेल देखभाल में समानता सुनिश्चित करना के अनुरूप नर्सिंग महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई। छात्राओं ने पोस्टरों एवं नारों के माध्यम से आमजन को सिकल सेल रोग के कारणों, लक्षणों, जटिलताओं एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। जिले में चलाए गए विशेष जांच अभियान के तहत विकासखंड अनूपपुर में 826, जैतहरी में 463, कोतमा में 627 तथा पुष्पराजगढ़ में 309 हितग्राहियों की जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे सिकल सेल की नियमित जांच कराएं और रोग की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करें।

बडहर गांव में तेज आंधी तूफान से पेड़ गिरने के कारण दबने से बैल की मौत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत औढेरा के राजस्व ग्राम बडहर मे शुक्रवार की दोपहर आए अचानक तेज आंधी पानी तूफान से एक विशाल काय महुआ प्रजाति के पेड़ के जड़ सहित गिरने से महुआ का डोरी फल खा रहा एक 5/6 वर्ष के उम्र का सफेद रंग के बैल की पेंड में दबने से स्थल पर मृत्यु हो गयी घटना की जानकारी मिलने पर पशु मालिक माना नायक पिता स्व, बीरबल नायक द्वारा तहसीलदार एवं कोतवाली थाना अनूपपुर को सूचना देते हुए शीश्रता से कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा की है वर्षा काल के प्रारंभ होते ही वन क्षेत्रो से लगे ग्रामीण अंचलों में एक माह के मध्य अनेको बार अचानक आंधी तूफान के साथ आकाशीय बिजली गिरने, विशालकाय विभिन्न तरह के पेड़/पौधों के गिरने की घटनाएं बढ़ रही है जिससे अब तक दो ग्रामीणों के पालतू मवेशी गाभिन भैंस एवं जवान बैल की मृत्यु की घटना हो चुकी है। शनिवार की सुबह पशु चिकित्सा विभाग द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर मृत मवेशी के शव का पीएम किया वहीं हल्का पटवारी औढेरा द्वारा पंचनामा तैयार कर के साथ राहत प्रकरण तैयार किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बस से अमरकंटक पहुंचेंगे राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल

कलेक्टर और एसपी भी करेंगे बस यात्रा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल अमरकंटक पहुंचेंगे। राज्य मंत्री के संशोधित दौरा कार्यक्रम के अनुसार वे जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान उनकी यात्रा का सबसे खास पहलू यह रहेगा कि वे अमरकंटक से अनूपपुर तक बस में सफर करेंगे। उनके साथ अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली और पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब भी बस यात्रा करेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार मंत्री दिलीप जायसवाल 20 जून की रात बिजुरी से रवाना होकर अनूपपुर पहुंचेंगे और सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 21 जून की सुबह 4 बजे अनूपपुर से अमरकंटक के लिए प्रस्थान करेंगे। सुबह 6 बजे अमरकंटक स्थित मैकल पार्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेकर योगाभ्यास करेंगे तथा नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देंगे। योग कार्यक्रम के उपरांत सुबह 8 बजे राज्य मंत्री अमरकंटक से अनूपपुर के लिए बस में यात्रा करेंगे। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार इस दौरान कलेक्टर हर्षल पंचोली और पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब भी उनके साथ बस में सफर करेंगे। मंत्री की यह यात्रा आम लोगों से सीधा संवाद स्थापित करने और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का जायजा लेने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अनूपपुर पहुंचने के बाद मंत्री सर्किट हाउस में विश्राम करेंगे और इसके पश्चात बिजुरी के लिए रवाना होंगे। मंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। योग दिवस के अवसर पर अमरकंटक में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों के शामिल होने की संभावना है।